महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर-273007 (उ.प्र.)

सेवा पथ

मासिक ई-पत्रिका

◉ वर्ष-2 ◉ अंक-15 ◉ अक्टूबर, 2024

राष्ट्रीय सेवा योजना

एवं

राष्ट्रीय कैडेट कोर

University Email-mguniversitygkp@mgug.ac.in
NSS Email-coordinator.nss@mgug.ac.in
NCC Email-ncc@mgug.ac.in

सम्पादक

डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

सहायक आचार्य (सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय)

कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना

सह सम्पादक

डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव

सहायक आचार्य (सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय)

एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर

ग्राफिक्स एवं डिजाइन

श्री शारदानन्द पाण्डेय

राष्ट्रीय सेवा योजना

विश्वविद्यालय संगठन

कुलपति : मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई

कुलसचिव : डॉ. प्रदीप कुमार राव

कार्यक्रम समन्वयक : डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

इकाई सं0	इकाई कोड	इकाई का नाम	कार्यक्रम अधिकारी का
1	UP-80/001/24/001	पारिजात इकाई	डॉ. आयुष कुमार पाठक
2	UP-80/002/24/101	अष्टावक्र इकाई	श्री साध्वीनन्दन पाण्डेय
3	UP-80/003/24/201	आर्यभट्ट इकाई	श्री धनन्जय पाण्डेय
4	UP-80/004/24/301	माता सबरी इकाई	श्री अभिषेक कुमार सिंह
5	UP-80/005/24/401	नचिकेता इकाई	कु. अभिनव सिंह राठोर
6	UP-80/006/24/501	माता अनुसुइया इकाई	सुश्री सुमन यादव
7	UP-80/007/24/601	गार्गी इकाई	सुश्री कविता साहनी
8	UP-80/008/24/701	मैत्रेयी इकाई	गरिमा पाण्डेय

राष्ट्रीय कैडेट कोर

102 यू.पी. एन.सी.सी. बटालियन, गोरखपुर

एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर : डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव

'सेवा पथ'

'सेवा पथ' एक मासिक ई–पत्रिका है, जिसका प्रकाशन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित **'राष्ट्रीय सेवा योजना'** एवं **'राष्ट्रीय कैडट कोर'** के द्वारा विश्वविद्यालय परिसर एवं विश्वविद्यालय के बाहर दिए जा रहे योगदान, सामाजिक सेवा, समाज के उत्थान हेतु किए जा रहे कार्यों इत्यादि का संकलन किया गया है। **'सेवा पथ'** मासिक ई–पत्रिका का **प्रथम संस्करण** माह **अगस्त 2023** में प्रकाशित किया गया था, जिसमें केवल **'राष्ट्रीय सेवा योजना'** द्वारा किए गए सामाजिक कार्यो एवं क्रियाकलापों को संकलन किया गया था। किन्तु आगे की कड़ी में बढ़ते हुए इस माह की मासिक ई–पत्रिका के **'चतुर्थ संस्करण'** में राष्ट्रीय सेवा योजना के साथ–साथ राष्ट्रीय कैडट कोर की इकाई के द्वारा किए जा रहे गतिविधियों को भी शामिल किया गया है।

इस मासिक ई–पत्रिका का नाम **'सेवा पथ'** शब्द सामाजिक सेवा और सामाजिक उत्कृष्टता की प्रवृत्ति की ओर केन्द्रित है। यह एक व्यक्ति या समूह का उद्दीपन करता है जो समाज में सेवा करने के लिए समर्पित है। **'सेवा पथ'** का आशय है कि व्यक्ति या समूह अपने कौशल, समर्पण की भावना से समाज की सेवा करें व दूसरों को भी सेवा करने के लिए उद्दीपित करता रहे। व्यक्ति या समूह जो सेवा पथ पर होता है, वे सामाजिक समस्याओं की पहचान करने के साथ–साथ समाधान ढूंढने और उन्हें सुलझाने में योगदान करता है। सामाजिक सेवा के माध्यम से, सेवा पथ से जुड़े व्यक्ति या समूह समृद्धि, समर्पण और सामाजिक न्याय की ओर प्रबल कदम बढ़ाता है।

इस तरह **'सेवा पथ'** एक मार्गदर्शक शब्द है जो सेवा और समृद्धि की दिशा में अग्रसर होने के लिए सभी को प्रेरित करता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना

सेवा पखवाड़ा : भाषण प्रतियोगिता

राष्ट्रीय सेवा योजना

विद्यार्थियों को सम्बोधित करतीं डॉ. श्वेता भट्ट एवं डॉ. (ले.) अनुपम सिंह को स्मृति चिन्ह् भेंट करते हुए आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरीधर वेदांतम

दिनांक : 01 अक्टूबर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर 'सेवा पखवाड़ा' के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा विश्वविद्यालय स्तर पर 'आत्मनिर्भर भारत' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। माननीय प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस 17 सितम्बर से महात्मा गांधी जी के जन्म जयन्ती 02 अक्टूबर, 2024 के मध्य चलाये जा रहे 'सेवा पखवाड़ा' के अन्तर्गत आयोजित भाषण प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल में डॉ. (ले.) अनुपम सिंह, सहायक आचार्य, शिक्षा शास्त्र विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, डॉ. आशुतोष त्रिपाठी, सहायक आचार्य समाज शास्त्र, जे. बी. महाजन डिग्री कॉलेज चौरीचौरा गोरखपुर, डॉ. श्वेता भट्ट, सहायक आचार्य वाणिज्य संकाय बुद्ध पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

डॉ. आशुतोष त्रिपाठी ने विद्यार्थी को संबोधित करते हुए बताया कि हम अपने विचारों में परिवर्तन लाना होगा जिसके मध्यम से हम आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार कर सकते है। डॉ. श्वेता भट्ट ने आत्मनिर्भर भारत बनाने के सभी पिलर को विधार्थी को बताया और कहा कि अगर हम आर्थिक रूप से सशक्त होंगे तो हमें आत्मनिर्भर बनने से कोई रोक नहीं सकता। डॉ. (ले.) अनुपम सिंह ने आज 15 वर्षो पूर्व की परम्परा मड़ई छाने की कहानी को बताते हुए बताया की किस प्रकार एक मजबूत पिलर के साथ सभी का सहयोग कितना विकास में जरुरी है प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों ने आत्मनिर्भर भारत विषय पर अपने–अपने विचार व्यक्त किए। विद्यार्थियों ने आत्मनिर्भर भारत के स्वर्णिम अतीत पर अपनी प्रस्तुति से सभी में नव चेतना का संचार किया।

निर्णायक मंडल के द्वारा प्रथम स्थान उत्कर्ष सिंह, द्वितीय हिमांशु राव, तृतीय स्थान निखिल प्रकाश पांडेय प्राप्त किया।

अतिथि स्वागत भाषण और कार्यक्रम की रूपरेखा डॉ. अखिलेश दूबे कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना ने प्रस्तुत किया। भाषण प्रतियोगिता में कुल 69 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन छात्र शिवम् एवं सगुन शाही ने और आभार ज्ञापन डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय ने किया।

कार्यक्रम में कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम कृषि संकाय के अधिष्ठाता विमल दूबे, संबद्ध स्वास्थ्य संकाय की अधिष्ठाता डॉ. सुनिल कुमार सिंह, पैरामेडिकल के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव और सभी शिक्षकगण और विद्यार्थी एवं कार्यक्रम अधिकारी उपस्थित रहें।

महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती समारोह एवं पुरस्कार वितरण

राष्ट्रीय सेवा योजना

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित भाषण प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुए माननीय कुलपति व आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य

दिनांक : 02 अक्टूबर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री जी की जयंती समारोह एवं 'सेवा पखवाड़ा' के अंतर्गत आयोजित भाषण प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल कुमार वाजपेई, प्रो. गिरिधर वेदांतम प्राचार्य आयुर्वेद कॉलेज, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे एवं फार्मेसी संकाय के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह द्वारा द्वीप प्रज्वलन व स्वयंसेविकाओं द्वारा मां सरस्वती की आराधना से किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने सभा में उपस्थित से स्वागत किया और बताया कि महात्मा गाँधी जी एवं लालबहादुर शास्त्रीय जी ने किस प्रकार भारत के विकास और एकता में अपना योगदान दिया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त स्वयंसेवक उत्कर्ष सिंह ने इस अवसर पर अपना विचार रखते हुए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के त्याग एवं परिश्रम की बताया। 'सेवा पखवाड़ा' के अंतर्गत आयोजित भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान उत्कर्ष सिंह, द्वितीय स्थान हिमांशु राव व तृतीय स्थान निखिल प्रकाश पांडेय को माननीय कुलपति जी द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर प्रो. गिरिधर वेदांतम जी ने व्याख्यान देते हुए बताया कि भारत को आजादी दिलाने में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री जी ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। एक कर्म योगी की तरह इन महापुरुषों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर ब्रिटिश शासन के भारत को आजाद कराया।'स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल कुमार वाजपेई ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व लालबहादुर शास्त्री जी के दिखाए रास्ते पर चलकर सकारात्मक सोच के साथ निडर होकर आगे बढ़ने को कहा। कार्यक्रम का संचालन सुश्री कविता साहनी व धन्यवाद ज्ञापन प्रो. मिनी के.वी. द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. दीपू मनोहर डॉ. संदीप कुमार, डॉ, देवी आर. नायर, श्रीवास्तव, आन्नद कुमार, रवि कुमार, डॉ. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक, श्री धनंजय पांडेय, सुश्री गरिमा पांडेय, सुश्री सुमन यादव एवं सभी स्वयंसेवक तथा विद्यार्थी उपस्थित रहें।

स्वच्छता पखवाड़ा : स्वैच्छिक श्रमदान

राष्ट्रीय सेवा योजना : आर्यभट्ट इकाई

स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित स्वैच्छिक श्रमदान में साफ–सफाई करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना की आर्यभट्ट इकाई के कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयंसेवक

दिनांक : 02 अक्टूबर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के राष्ट्रीय सेवा योजना की आर्यभट्ट इकाई के द्वारा स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत स्वैच्छिक श्रमदान के माध्यम से विश्वविद्यालय परिसर से सोनबरसा बालापार प्राथमिक विद्यालय तक स्वच्छता अभियान चलाया गया।

स्वैच्छिक श्रमदान रैली में झाड़ू बहार कर रैली का शुभारभ किया। रैली को संबोधित करते हुए अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि विद्यार्थी जीवन से ही स्वच्छता के प्रति समर्पण होना होगा। जिससे घर आंगन, विद्यालय से स्वच्छता की शुरुआत कर स्वच्छ भारत का संकल्प पूरा किया जा सकता है।

स्वच्छता केवल एक आदत नहीं, बल्कि एक जीवनशैली होनी चाहिए। आइए, हम सब मिलकर अपने आसपास को साफ रखें और एक स्वस्थ समाज का निर्माण करें।

जिसमें विद्यार्थियों ने सर्वप्रथम महंत दिग्विजयनाथ हॉस्पिटल से नर्सिंग कॉलेज, बालापर प्राथमिक विद्यालय पर साफ–सफाई करने के साथ सम्पूर्ण बाहरी परिसर के फुलवारी और इत्यादि की सफ़ाई एवं उसे व्यवस्थित किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना के आर्यभट्ट इकाई के कार्यक्रम अधिकारी श्री धनंजय पांडेय ने विद्यार्थियों को बताया कि सरकार और कई गैर सरकारी संगठन स्वच्छता अभियानों का आयोजन कर रहे हैं। हमें इन अभियानों में भाग लेना चाहिए और अपने योगदान से समाज को जागरूक करना चाहिए।

रैली में प्रमुख रूप से डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. विकास कुमार संत, डॉ. अमित दुबे, डॉ. धीरेंद्र सिंह, उप कुलसचिव श्री श्रीकांत जी, डॉ. पवन कुमार कनौजिया, डॉ. प्रेरणा त्रिपाठी, डॉ. किरण कुमार, डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ. अवेधनाथ सिंह, डॉ. अंकिता मिश्रा, डॉ. कीर्ति कुमार यादव, डॉ. अखिलेश दुबे, श्री धनंजय पांडेय, श्री अनिल कुमार, श्रीमती प्रज्ञा पाण्डेय, श्रीमती रश्मि झा, सृष्टि यदुवंशी, श्री जन्मेजय सोनी, मिताली, श्री अनिल कुमार मिश्रा, श्री अनिल शर्मा सहित सभी विभागों के शिक्षकगण उपस्थित रहें।

मिशन शक्ति फेज 5.0 : मानव श्रृंखला

राष्ट्रीय सेवा योजना : पारिजात इकाई, माता शबरी इकाई एवं आर्यभट्ट इकाई

मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत मानव श्रृंखला बनाते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना की पारिजात इकाई, माता शबरी इकाई एवं आर्यभट्ट इकाई' के स्वयंसेवक

दिनांक : 15 अक्टूबर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना की पारिजात इकाई, माता शबरी इकाई एवं आर्यभट्ट इकाई' के द्वारा मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत आज मानव श्रृखला बनाकर समाज में महिलाओं के स्थान को मजबूत करने और उनकी भूमिका को पहचानने में एवं न केवल महिलाओं के लिए, बल्कि समग्र समाज के उत्थान में सहायक बनने के लिए शपथ ग्रहण कराया गया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की मिशन शक्ति नोडल अधिकारी डॉ. इदु चोधरी ने कहा कि मिशन शक्ति का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करना, उन्हें सशक्त बनाना और सामाजिक बदलाव लाना है। यह महिलाओं को न केवल एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करता है, बल्कि उनके विकास के लिए भी अवसर उपलब्ध कराती है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने कहा कि समाज में महिलाओं के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने से न केवल महिलाओं की स्थिति में सुधार होगा, बल्कि यह समग्र विकास और प्रगति में भी सहायक होगा। यह समाज को अधिक समृद्ध और समावेशी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर सभी इकाई के कार्यक्रम अधिकारी अपने–अपने इकाई की स्वयंसेवक को मिशन शक्ति फेज 5.0 के उद्देश्य एवं योजना के बारे में विस्तार से समझाया और इस योजना को सफल बनाने एवं इसके उद्देश्य प्राप्ति में सहायक बनने के लिए आव्हान किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक, डॉ. अभिषेक सिंह श्री धनन्जय पाण्डेय एवं समस्त संकाय शिक्षक, कर्मचारी एवं सभी इकाई के स्वयंसेवक उपस्थित रहें।

महिला सुरक्षा जागरूकता : शपथ ग्रहण

राष्ट्रीय सेवा योजना

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में जीएनएम प्रथम वर्ष में प्रार्थना सभा में उपस्थित सभी को महिला सुरक्षा पर जागरूकता बढ़ाने के लिए शपथ दिलाया गया

दिनांक : 18 अक्टूबर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंर्तगत संचालित गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में जीएनएम प्रथम वर्ष में अध्ययनरत छात्रा (संस्कृति सिंह और श्वेता यादव) ने आज प्रार्थना सभा में उपस्थित सभी को महिला सुरक्षा पर जागरूकता बढ़ाने के लिए शपथ दिलाई।

उन्होंने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए हमें प्राथमिकता देनी होगी और महिला पर हिंसा उत्पीड़न और भेद भाव के खिलाफ हम सभी को एकजुट होकर खड़ा रहना होगा और हमे अपने साथ–साथ समस्त महिलाओ को भी उनके अधिकार के लिए जागरूक करना होगा। जिससे वह अपने अधिकारों के संरक्षण के लिए आगे आ सके। हम सभी को महिलाओं का सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करना होगा। जिससे समाज का उत्थान हो सके।

कार्यक्रम में नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय की प्राचार्य डॉ. डी.एस. अजिथा, डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव, मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी दी. इंदु चौधरी, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी सुमन यादव, कविता साहनी, गरिमा पांडेय के अलावा समस्त संकाय शिक्षक, कर्मचारी एवं संकाय के विद्यार्थी उपस्थित रहें।

‘दीवाली My BHARAT वाली’: स्वच्छता अभियान

राष्ट्रीय सेवा योजना

माता सबरी इकाई द्वारा ‘दीवाली My BHARAT वाली’ के तहत एक स्वच्छता अभियान के अंतर्गत साफ–सफाई करते हुए स्वयंसेवक

दिनांक : 28 अक्टूबर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के एनएसएस की माता सबरी इकाई द्वारा आज ‘दीवाली My-BHARAT वाली’ के तहत एक स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य समाज में स्वच्छता और जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह ने कहा, ‘स्वच्छता सिर्फ एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक आदत बनानी चाहिए। अगर हम अपने आस–पास की सफाई नहीं रखेंगे, तो हमें स्वच्छता का वास्तविक अर्थ कभी नहीं समझ में आएगा। यह हमारे स्वास्थ्य और समाज के विकास के लिए आवश्यक है।’

डॉ. अभिषेक कुमार सिंह ने छात्रों को प्रेरित करते हुए बताया कि स्वच्छता अभियान में भाग लेना हर नागरिक का कर्तव्य है।

कार्यक्रम के दौरान सहायक शिक्षक में श्री प्रवीण कुमार सिंह और श्री रवि निषाद शामिल रहें और इन्होंने सभी स्वयंसेवकों को स्वच्छता अभियान के महत्व पर जोर देते हुए सभी को प्रेरित किया।

अभियान के अंत में एनएसएस के सदस्यों ने कॉलेज के मंदिर के पास एक वृक्षारोपण किया, जिससे पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

इस अभियान में कई स्वयंसेवकों ने प्रतिभाग लिया जिनमें मंजीत यादव, दीनदयाल गुप्ता, आदित्य कुमार यादव, आदित्य राज सहानी, निखिल प्रकाश पांडे, विवेक मिश्रा, विवेक गोंड और आशीष दुबे व अन्य छात्र छात्राएं शामिल रहें और विश्वविद्यालय प्रांगण के उद्यान की सफाई की।

इस अभियान ने सभी को एकजुट होकर स्वच्छता के प्रति जागरूक होने और अपने आसपास के वातावरण को साफ रखने के लिए प्रेरित किया। सभी प्रतिभागियों ने मिलकर एक सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प लिया।

'दीवाली My BHARAT वाली': स्वच्छता अभियान

राष्ट्रीय सेवा योजना

माता सबरी इकाई द्वारा आज 'दीवाली My BHARAT वाली' के तहत एक स्वच्छता जागरूकता अभियान के अंतर्गत साफ–सफाई करते हुए स्वयंसेवक

दिनांक : 28 अक्टूबर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की पारिजात इकाई द्वारा 27/10/2024 से 30/10/2024 तक चल रहे 'माय भारत' की प्रथम वर्षगाँठ के अवसर पर My Bharat ये दीवाली My Bharat वाली कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वच्छता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक के नेतृत्व में स्वयं सेवकों ने विश्वविद्यालय परिसर से शुरू हो कर महुआतर बाजार तक के क्षेत्र मे साफ–सफाई कर स्वच्छता व स्वस्थ रहने का संदेश दिया।

स्वच्छता के महापर्व दिवाली के शुभ अवसर पर स्वयंसेवकों के इस कार्य से महुआतर बाजार में एक कौतुहल देखने को मिला। इस अभियान के माध्यम से स्वयंसेवकों ने दिवाली में स्वच्छता फैलाएंगे, भारत को स्वस्थ बनाएंगे आदि नारे लगाते हुए आम जनमानस को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

माय भारत लोगों से युक्त बैनर 'ये दीवाली My - Bharat वाली' का सन्देश देते हुए स्वयंसेवकों ने इस कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम कृषि विभाग के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे व कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे के निर्देशन में संम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर उत्कर्ष सिंह, अमित राय, बादल पटेल, अंजलि तिवारी, शीलू कसौधन इत्यादि समस्त स्वयंसेवक उपस्थित रहें एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की सबरी इकाई द्वारा 27/10/2024 से 30/10/2024 तक चल रहे 'माय भारत' की प्रथम वर्षगाँठ के अवसर पर ये दीवाली My-Bharat वाली के अंतर्गत, गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस हॉस्पिटल में मरीजों एवं उनके परिजनों के साथ स्वयंसेवक मिलकर उनको दिवाली की बधाई देते हुए उन्हें इलाज कराने में सहयोग प्रदान किया गया, उसके साथ ही इकाई के स्वयंसेवक मिलकर परिसर में सफाई एवं स्वच्छता अभियान चलाकर पार्क इत्यादि की सफाई का कार्य किया गया सम्पूर्ण कार्यक्रम कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

सडक सुरक्षा अभियान

राष्ट्रीय सेवा योजना

माता सबरी इकाई द्वारा आज 'दीवाली My- BHARAT वाली' के तहत एक स्वच्छता अभियान के अंतर्गत जागरूक करते हुए स्वयंसेवक

दिनांक : 29 अक्टूबर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना की आर्यभट्ट इकाई द्वारा आज 'दीवाली My-BHARAT वाली' के तहत मानीराम से बरगदवा तक सडक सुरक्षा अभियान का आयोजन किया गया।

इस अभियान का उद्देश्य समाज में लोगो को साधन का उपयोग उनके जीवन मे दो पहिया चलाते वक्त हेलमेट का महत्व एवं चार पहिया चलाते वक्त सीट बेल्ट किस तरह जीवन को बचा सकता एवं आप अपने साथ अपने परिवार एवं अन्य लोग का भी सुरक्षा कर सकते हैं और जागरूक कर सकते हैं। रोड़ सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी श्री धनंजय पाण्डेय ने कहा, 'सडक सुरक्षा सिर्फ एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक कर्तव्य भी हैं अगर हम अपने आस–पास की सुरक्षा का ध्यान रखेंगे कई लोग जीवन बचा सकते हैं यह हमारे समाज के लिए जागरूक होने की आवश्यक है।'

श्री धनंजय पाण्डेय ने छात्रों को प्रेरित करते हुए बताया कि सडक सुरक्षा अभियान में भाग लेना हर नागरिक का कर्तव्य है।

इस कार्यक्रम के दौरान ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर श्री नरेंद्र कुमार पाल कांस्टेबल राज कुमार होमगार्ड दिनेश कुमार यादव पीआरडी देव सरण शर्मा एवं उदय भान एवं ब्रांड एंबेसडर शिवम पाण्डेय एवं अभिषेक, राज नम्रता शर्मा दिव्या, आकांक्षा, सत्ताक्षी स्वस्तिक, कार्तिकेय श्रीवास्तव एवं अन्य सभी स्वयंसेवकों को सड़क सुरक्षा अभियान के महत्व पर जोर देते हुए सभी को प्रेरित किया अभियान के अंत में, राष्ट्रीय सेवा योजना के सदस्यों ने सभी ट्रैफिक पुलिस कर्मी को सहयोग देने के लिए आभार जताया।

इस अभियान ने सभी को एकजुट होकर सुरक्षा के प्रति जागरूक होने और अपने आसपास के वातावरण को सुरक्षा रखने के लिए प्रेरित किया। सभी प्रतिभागियों ने मिलकर एक सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प लिया।

राष्ट्रीय कैडेट कोर

स्वच्छता अभियान

राष्ट्रीय कैडेट कोर

102 यू.पी. बटालियन द्वारा स्वच्छता दिवस पर आयोजित स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता अभियान में स्वैच्छिक श्रमदान करते हुए कैडे्टस

दिनांक : 02 अक्टूबर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के 102 यू.पी. बटालियन द्वारा आयोजित स्वच्छता दिवस पर श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य कर्नल (डॉ.) अरविंद सिंह कुशवाहा, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता अभियान में कैडे्ट्स ने देवालय, उद्यान, प्रशासनिक भवन और अस्पताल परिसर की साफ– सफाई कर स्वच्छता का संकल्प लिया।

गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य कर्नल (डॉ.) अरविंद सिंह कुशवाहा ने स्वच्छता अभियान पर कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि स्वच्छता भारत की संस्कृति और जीवन शैली का अभिन्न अंग है। स्वच्छता एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं है। इसमें हम सभी की व्यक्तिगत जिम्मेंदारी से स्वच्छ और स्वस्थ भारत का रोड मैप तैयार किया जा सकता है। विद्यार्थी जीवन से प्रेरणा ग्रहण करना चाहिए की अपने आसपास, घर आंगन, समाज और राष्ट्र को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए प्रतिदिन श्रम दान का संकल्प लेना होगा।

एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि स्वच्छ भारत का स्वप्न एक दिन न हो, बल्कि हर दिन स्वच्छ भारत के प्रति समर्पण, निष्ठा से स्वच्छता के प्रति कृत संकल्पित होना है। और केवल व्यक्तिगत क्रिया नही है बल्कि सामूहिक प्रयास से समाज को स्वच्छ बनाने की प्रक्रिया है।

स्वच्छता अभियान में प्रमुख रूप से कैडेट अभिषेक चौरसिया, आदित्य विश्वकर्मा, अमित कुमार चौधरी, अनुभव, भानु प्रताप सिंह, हरयश्व कुमार साहनी, मोतीलाल, शिवम सिंह, आशुतोष सिंह, अमृता कनौजिया, आंचल पाठक, अंशिका सिंह, अस्मिता सिंह चांदनी निषाद, दरक्षा बानो, गौरी कुशवाहा, जयश्री शर्मा, निधि साहनी, निकिता, पूजा सिंह, प्रीती शर्मा, रितु मौर्य, साक्षी प्रजापति, संजना शर्मा, शालिनी चौहान, श्रद्धा उपाध्याय, नीलेश कुमार यादव, अनुभव पांडेय, सूरज कुमार, आलोक सिंह, अरुण, शिखर पांडेय, अमन चौरसिया, आदित्य पांडे आदित्य सिंह, अभिषेक मिश्रा, रघुवीर प्रताप सिंह, राहुल यादव, विवेकानंद यादव, अरविंद विश्वकर्मा, ज्ञानेश्वर प्रताप मौर्य, रुद्र प्रताप सिंह, आलोक दीक्षित, शैलेंद्र कुमार, प्रज्ञा भारद्वाज, अंजली सिंह, अतिका तिवारी, ममता गुप्ता, वसुंधरा सिंह, गुड़िया कुशवाहा, अनुराधा विश्वकर्मा, सृष्टि पांडे, रोशनी त्यागी, अनुप्रिया, काजल, अर्पिता राय, पार्वती साहनी, काजल गौतम, उजाला सिंह, पिंकी यादव स्वच्छता अभियान में सम्मिलित हुई। अभियान में सभी प्राचार्य, अधिष्ठता, विभागाध्यक्ष शिक्षकगण ने स्वच्छ भारत दिवस के संकल्प में सहयोग किया।

चिकित्सकीय परीक्षण

राष्ट्रीय कैडेट कोर

102 यू.पी. बटालियन के एनसीसी नव प्रवेशी कैडेट्स का हुआ मेडिकल जांच

दिनांक : 02 अक्टूबर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में प्रतिष्ठत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आरोग्य धाम हॉस्पिटल में 102 यू.पी. बटालियन के एनसीसी नव प्रवेशी कैडेट्स का मेडिकल जांच हुआ।

हॉस्पिटल के प्रबंधक श्री जी. के. मिश्रा जी, एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के कुशल नेतृत्व में डॉ. प्रदीप कुशवाहा, नर्सिंग अधिकारी सुधा पांडेय की टीम ने सत्र 2024—25 में चयनित 34 कैडेट्स का मेडिकल जांच कर चयन प्रक्रिया को पूरा किया।

प्रबंधक जी.के. मिश्रा जी ने चयनित कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि एनसीसी राष्ट्रसेवा से नेतृत्व क्षमता की प्रेरणा देता है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स अपने श्रेष्ठ प्रदर्शन से राष्ट्रीय शिविरों में चयनित होकर विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे है। नए कैडेट्स अपने सीनियर कैडेट्स से प्रेरणा ग्रहण कर उनसे भी अच्छा प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय को गौरांवित करेंगे।

एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि नए कैडेट्स के चयन की प्रकिया पूर्ण कर लिया गया है जल्द ही नए कैडेट्स भी कदम से कदम मिलाकर विश्वविद्यालय की गतिविधियों में सम्मिलित होंगे।

चिकित्सीय परीक्षण में कैडेट नीलेश कुमार यादव, अनुभव पांडेय, सूरज कुमार, आलोक सिंह, अरुण, शिखर पांडेय, अमन चौरसिया, आदित्य पांडे आदित्य सिंह, अभिषेक मिश्रा रघुवीर प्रताप सिंह, राहुल यादव, विवेकानंद यादव, अरविंद विश्वकर्मा, ज्ञानेश्वर प्रताप मौर्य, रुद्र प्रताप सिंह, आलोक दीक्षित, शैलेंद्र कुमार, प्रज्ञा भारद्वाज, अंजली सिंह, अतिका तिवारी, ममता गुप्ता, वसुंधरा सिंह, गुड़िया कुशवाहा, अनुराधा विश्वकर्मा, सृष्टि पांडे, रोशनी त्यागी, अनुप्रिया, काजल, अर्पिता राय, पार्वती साहनी, काजल गौतम, उजाला सिंह, पिंकी उपस्थित रहीं।

महायोगी गोरखनाथ विवि में मनाई गई गांधी–शास्त्री जयंती

संवाददाता

गोरखपुर, 2 अक्टूबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित भाषण प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लालबहादुर शास्त्री के आदर्श और विचार आज भी प्रासंगिक हैं। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान उत्कर्ष सिंह, द्वितीय हिमांशु राव और तृतीय स्थान निखिल प्रकाश पांडेय को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर प्रो. गिरिधर वेदांतम, डॉ. विमल दुबे, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ.अखिलेश दुबे, कविता साहनी, प्रो. मिनी केवी, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ.संदीप कुमार, डॉ.देवी आर.नायर, आनंद कुमार, रवि कुमार, डॉ. आयुष पाठक, धनंजय पांडेय, गरिमा पांडेय, सुमन यादव आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

महायोगी गोरखनाथ विवि के छात्रों ने निकाली स्वच्छता स्वैच्छिक श्रमदान रैली

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की राष्ट्रीय सेवा योजना (आर्यभट्ट इकाई) के छात्रों ने बुधवार को विश्वविद्यालय परिसर से सोनबरसा बालापार प्राथमिक विद्यालय तक स्वच्छता स्वैच्छिक श्रमदान रैली निकाली। रैली को संबोधित करते हुए अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि विद्यार्थी जीवन से ही स्वच्छता के प्रति समर्पण होना चाहिए ताकि घर–आंगन, विद्यालय से स्वच्छता की शुरूआत कर स्वच्छ भारत का संकल्प पूरा किया जा सके। स्वच्छता जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा होनी चाहिए। रैली में विद्यार्थियों ने सर्वप्रथम महंत दिग्विजयनाथ हॉस्पिटल से नर्सिंग कॉलेज, बालापार प्राथमिक विद्यालय पर साफ–सफाई की। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय ने विद्यार्थियों को बताया कि सरकार और कई गैर सरकारी संगठन स्वच्छता अभियानों का आयोजन कर रहे हैं। रैली में प्रमुख रूप से डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. विकास कुमार संत, डॉ अमित दुबे, डॉ. धीरेंद्र सिंह, उप कुलसचिव श्रीकांत, डॉ.पवन कुमार कनौजिया, डॉ. प्रेरणा त्रिपाठी, डॉ. किरण कुमार, डॉ.आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ. अवेद्यनाथ सिंह, डॉ. अंकिता मिश्रा, डॉ. कीर्ति कुमार यादव, डॉ. अखिलेश दुबे, अनिल कुमार, प्रज्ञा पांडेय, रश्मि झा, सृष्टि यदुवंशी, जन्मेजय सोनी, मिताली, अनिल मिश्रा, अनिल शर्मा सहित सभी विभागों के शिक्षक उपस्थित रहे।

महायोगी गोरखनाथ विवि के छात्रों ने निकाली स्वच्छता स्वैच्छिक श्रमदान रैली

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की राष्ट्रीय सेवा योजना (आर्यभट्ट इकाई) के छात्रों

ने बुधवार को विश्वविद्यालय परिसर से सोनबरसा बालापार प्राथमिक विद्यालय तक स्वच्छता स्वैच्छिक श्रमदान रैली निकाली। रैली को संबोधित करते हुए अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि विद्यार्थी जीवन से ही स्वच्छता के प्रति समर्पण होना चाहिए ताकि घर–आंगन, विद्यालय से स्वच्छता की शुरुआत कर स्वच्छ भारत का संकल्प पूरा किया जा सके। स्वच्छता जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा होनी चाहिए। रैली में विद्यार्थियों ने सर्वप्रथम महंत दिग्विजयनाथ हॉस्पिटल से नर्सिंग कॉलेज, बालापार प्राथमिक विद्यालय पर साफ–सफाई की। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय ने विद्यार्थियों को बताया कि सरकार और कई गैर सरकारी संगठन स्वच्छता अभियानों का आयोजन कर रहे हैं। रैली में प्रमुख रूप से डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. विकास कुमार संत, डॉ अमित दुबे, डॉ. धीरेंद्र सिंह, उप कुलसचिव श्रीकांत, डॉ.पवन कुमार कनौजिया, डॉ. प्रेरणा त्रिपाठी, डॉ. किरण कुमार, डॉ.आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ. अवेद्यनाथ सिंह, डॉ. अंकिता मिश्रा, डॉ. कीर्ति कुमार यादव, डॉ. अखिलेश दुबे, अनिल कुमार, प्रज्ञा पांडेय, रश्मि झा, सृष्टि यदुवंशी, जन्मेजय सोनी, मिताली, अनिल मिश्रा, अनिल शर्मा सहित सभी विभागों के शिक्षक उपस्थित रहे।

महायोगी गोरखनाथ विवि में मनाई गई गांधी-शास्त्री जयंती

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित भाषण प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लालबहादुर शास्त्री के आदर्श और विचार आज भी प्रासंगिक हैं। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान उत्कर्ष सिंह, द्वितीय हिमांशु राव और तृतीय स्थान निखिल प्रकाश पांडेय को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर प्रो. गिरिधर वेदांतम, डॉ. विमल दुबे, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ.अखिलेश दुबे, कविता साहनी, प्रो. मिनी केवी, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ.संदीप कुमार, डॉ.देवी आर.नायर, आनंद कुमार, रवि कुमार, डॉ. आयुष पाठक, धनंजय पांडेय, गरिमा पांडेय, सुमन यादव आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

एनसीसी कैडेट्स ने लिया स्वच्छता का संकल्प'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के 102 यूपी बटालियन के एनसीसी कैडेट्स ने बुधवार को विश्वविद्यालय परिसर में देवालय, प्रशासनिक भवन, अस्पताल की साफ–सफाई कर स्वच्छता का संकल्प लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य कर्नल (डॉ.) अरविंद सिंह कुशवाहा ने कहा कि स्वच्छता भारत की संस्कृति और जीवनशैली का अभिन्न अंग है। स्वच्छता को सामूहिक जिम्मेदारी मानकर ही स्वच्छ और स्वस्थ भारत का रोडमैप तैयार किया जा सकता है। कार्यक्रम में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने भी कैडेट्स को स्वच्छता के प्रति प्रोत्साहित किया और अपने आसपास के लोगों को इसके लिए जागरूक करने का आह्वान किया।

महायोगी गोरखनाथ विवि में छात्रों को दिलाई गई सड़क सुरक्षा शपथ

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी

गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में रोड सेफ्टी क्लब की तरफ से सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के प्रथम दिन विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई गई। रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पाण्डेय ने सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि यातायात नियमों का पालन कर स्वयं को बचाया जा सकता है। आप सुरक्षित है तो आपके घर आंगन में खुशियां ही खुशियां है। रोड पर चलते समय दोपहिया वाहन चालक हेलमेट अनिवार्य रूप से पहनने की आदत डालें। मोड़ पर इंडिकेटर और हॉर्न का प्रयोग अवश्य करें। आपकी लापरवाही से कोई व्यक्ति , या मासूम जानवर घायल या असमय मृत्यु के काल में समा सकता है। स्वयं भी सुरक्षित रहें और औरों को भी सुरक्षित रखें।

नोडल अधिकारी ने बताया कि रोड सेफ्टी क्लब के अंतर्गत एक सप्ताह तक विविध कार्यक्रमों यथा निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। आयोजन में प्रमुख रूप से संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, एनएसएस समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे, सहित सभी विभागों के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महायोगी गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय

छात्रों को दिलाई गई सड़क सुरक्षा की शपथ

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में रोड सेफ्टी क्लब की तरफ से सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के प्रथम दिन विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई गई।

रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पाण्डेय ने सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि यातायात नियमों का पालन कर स्वयं को बचाया जा सकता है।

आप सुरक्षित है तो आपके घर आंगन में खुशियां ही खुशियां है। रोड पर चलते समय दोपहिया वाहन चालक हेलमेट अनिवार्य रूप से पहनने की आदत डालें। मोड़ पर इंडिकेटर और हॉर्न का प्रयोग अवश्य करें। आपकी लापरवाही से कोई व्यक्ति , या मासूम जानवर घायल या असमय मृत्यु के काल में समा सकता है। स्वयं भी सुरक्षित रहें और औरों को भी सुरक्षित रखें।

नोडल अधिकारी ने बताया कि रोड सेफ्टी क्लब के अंतर्गत एक सप्ताह तक विविध कार्यक्रमों यथा निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

आयोजन में प्रमुख रूप से संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, एनएसएस समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे, सहित सभी विभागों के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गोरखनाथ विवि में विद्यार्थियों को दिलाई गई सड़क सुरक्षा शपथ

भास्कर ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में रोड सेफ्टी क्लब की तरफ से सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के प्रथम दिन विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई गई। रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पाण्डेय ने सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि यातायात नियमों का पालन कर स्वयं को बचाया जा सकता है। आप सुरक्षित है तो आपके घर आंगन में खुशियां ही खुशियां है।

रोड पर चलते समय दोपहिया वाहन चालक हेलमेट अनिवार्य रूप से पहनने की आदत डालें। मोड़ पर इंडिकेटर और हॉर्न का प्रयोग अवश्य करें। आपकी लापरवाही से कोई व्यक्ति , या मासूम जानवर घायल या असमय मृत्यु के काल में समा सकता है। स्वयं भी सुरक्षित रहें और औरों को भी सुरक्षित रखें। नोडल अधिकारी ने बताया कि रोड सेफ्टी क्लब के अंतर्गत एक सप्ताह तक विविध कार्यक्रमों यथा निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। आयोजन में प्रमुख रूप से संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, एनएसएस समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे, सहित सभी विभागों के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

छात्र-छात्राओं को दिलाई गई सड़क सुरक्षा की शपथ

संदेश वाहक न्यूज

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में रोड सेफ्टी क्लब की तरफ से सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के प्रथम दिन विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई गई।

रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पाण्डेय ने सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि यातायात नियमों का पालन कर स्वयं को बचाया जा सकता है। आप सुरक्षित है तो आपके घर आंगन में खुशियां ही खुशियां है। रोड पर चलते समय दोपहिया वाहन चालक हेलमेट अनिवार्य रूप से पहनने की आदत डालें। मोड़ पर इंडिकेटर और हॉर्न का प्रयोग अवश्य करें। आपकी लापरवाही से कोई व्यक्ति , या मासूम जानवर घायल या असमय मृत्यु के काल में समा सकता है। स्वयं भी सुरक्षित रहें और

शपथ लेते शिक्षक व छात्र।

- **महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा प्रारंभ**

औरों को भी सुरक्षित रखें। नोडल अधिकारी ने बताया कि रोड सेफ्टी क्लब के अंतर्गत एक सप्ताह तक विविध कार्यक्रमों यथा निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। आयोजन में प्रमुख रूप से संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, एनएसएस समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे, सहित सभी विभागों के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

छात्रों को दिलायी गयी सड़क सुरक्षा की शपथ

संवाददाता, गोरखपुर

अमृत विचार। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में रोड सेफ्टी क्लब की तरफ से सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के तहत छात्रों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई।

रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पाण्डेय ने सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि यातायात नियमों का पालन कर स्वयं को बचाया जा सकता है। रोड पर चलते समय दोपहिया वाहन चालक हेलमेट अनिवार्य रूप से पहनने की आदत डालें। मोड़ पर इंडिकेटर और हॉर्न का प्रयोग अवश्य करें। आपकी लापरवाही से कोई व्यक्ति या जानवर घायल या असमय मृत्यु के काल में समा सकता है। स्वयं भी सुरक्षित रहें और औरों को भी सुरक्षित रखें। नोडल अधिकारी ने बताया कि रोड सेफ्टी क्लब के अंतर्गत एक सप्ताह तक विविध कार्यक्रमों यथा निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। आयोजन में प्रमुख रूप से संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, एनएसएस समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे, सहित सभी विभागों के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति के तहत स्वयंसेवकों ने बनाई मानव श्रृंखला'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में

संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की पारिजात इकाई, माता शबरी इकाई एवं आर्यभट्ट इकाई के स्वयंसेवकों ने मंगलवार को मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत मानव श्रृंखला बनाकर समाज में महिलाओं के स्थान को मजबूत करने का संदेश दिया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने महिला सुरक्षा एवं सम्मान का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की मिशन शक्ति नोडल अधिकारी डॉ. इदु चोधरी ने कहा कि मिशन शक्ति का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करना, उन्हें सशक्त बनाना और सामाजिक बदलाव लाना है। यह अभियान महिलाओं को न केवल एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करता है, बल्कि उनके विकास के लिए भी अवसर उपलब्ध कराता है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने कहा कि समाज में महिलाओं के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने से न केवल महिलाओं की स्थिति में सुधार होगा, बल्कि यह समग्र विकास और प्रगति में भी सहायक होगा। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक, डॉ. अभिषेक सिंह धनन्जय पाण्डेय, समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं सभी इकाई के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

स्वयंसेवकों ने बनाई मानव श्रृंखला

सदेश वाहक न्यूज

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की पारिजात इकाई, माता शबरी इकाई एवं आर्यभट्ट इकाई के स्वयंसेवकों ने मंगलवार को मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत मानव श्रृंखला बनाकर समाज में महिलाओं के स्थान को मजबूत करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की मिशन शक्ति नोडल अधिकारी डॉ. इदु चोधरी ने कहा कि मिशन शक्ति का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के

मानव श्रृंखला बनाते स्वयं सेवक ।

अधिकारों की रक्षा करना, उन्हें सशक्त बनाना और सामाजिक बदलाव लाना है। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने कहा कि महिलाओं के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने से महिलाओं की स्थिति में सुधार होगा, बल्कि यह समग्र विकास और प्रगति में भी सहायक होगा। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ.आयुष कुमार पाठक, डॉ. अभिषेक सिंह धनन्जय पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

स्वयंसेवकों ने मानव शृंखला बना महिला सुरक्षा का लिया संकल्प

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) मिशन शक्ति अभियान से जुड़ गई है। स्वयंसेवकों ने मंगलवार को मानव शृंखला बनाकर समाज में महिलाओं के स्थान को मजबूत करने का संदेश दिया। साथ ही महिला सुरक्षा एवं सम्मान का संकल्प भी लिया। विश्वविद्यालय की मिशन शक्ति नोडल अधिकारी डॉ. इंदु चौधरी, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक, डॉ. अभिषेक सिंह, धनंजय पांडेय, शिक्षक, कर्मचारी एवं सभी इकाई के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा अभियान में लोगों को किया जागरूक

गोरखपुर (विधान केसरी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की आर्यभट्ट इकाई के स्वयंसेवकों ने मंगलवार को मानीराम से बरगदवा तक सड़क सुरक्षा अभियान चलाकर लोगों को यातायात

नियमों के प्रति जागरूक किया। अभियान में स्वयंसेवकों ने लोगों को समझाया कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन चलाते वक्त सीट बेल्ट का उपयोग अवश्य करें। रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पाण्डेय ने कहा कि सडक सुरक्षा एक एक महत्वपूर्ण कर्तव्य है। इससे हम अपना और अन्य लोगों का जीवन बचा सकते हैं। अभियान के दौरान ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर नरेंद्र कुमार पाल, राजकुमार, दिनेश कुमार यादव, देवशरण शर्मा, उदयभान, सड़क सुरक्षा के ब्रांड एंबेसडर समेत बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

सडक सुरक्षा अभियान में लोगों को किया जागरूक'

संवाददाता

गोरखपुर, 29 अक्टूबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में

संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना. की आर्यभट्ट इकाई के स्वयंसेवकों ने मंगलवार को मानीराम से बरगदवा तक सडक सुरक्षा अभियान चलाकर लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। अभियान में स्वयंसेवकों ने लोगों को समझाया कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन चलाते वक्त सीट बेल्ट का उपयोग अवश्य करें। रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी ध नंजय पाण्डेय ने कहा कि सडक सुरक्षा एक एक महत्वपूर्ण कर्तव्य है। इससे हम अपना और अन्य लोगों का जीवन बचा सकते हैं। अभियान के दौरान ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर नरेंद्र कुमार पाल, राजकुमार, दिनेश कुमार यादव, देवशरण शर्मा, उदयभान, सड़क सुरक्षा के ब्रांड एंबेसडर समेत बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

सडक सुरक्षा अभियान में लोगों को किया जागरूक

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना. की आर्यभट्ट इकाई के स्वयंसेवकों ने मंगलवार को मानीराम से बरगदवा तक सडक सुरक्षा अभियान चलाकर लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। अभियान में स्वयंसेवकों ने लोगों को समझाया कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन चलाते वक्त सीट बेल्ट का उपयोग अवश्य करें। रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पाण्डेय ने कहा कि सडक सुरक्षा एक एक महत्वपूर्ण कर्तव्य है। इससे हम अपना और अन्य लोगों का जीवन बचा सकते हैं। अभियान के दौरान ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर नरेंद्र कुमार पाल, राजकुमार, दिनेश कुमार यादव, देवशरण शर्मा, उदयभान, सड़क सुरक्षा के ब्रांड एंबेसडर समेत बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा अभियान में किया जनता को जागरूक

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की आर्यभट्ट इकाई के स्वयंसेवकों ने मंगलवार को मानीराम से बरगदवा तक सड़क सुरक्षा अभियान चलाकर लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया।

अभियान में स्वयंसेवकों ने लोगों को समझाया कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन चलाते वक्त सीट बेल्ट का उपयोग अवश्य करें। रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पाण्डेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा महत्वपूर्ण कर्तव्य है। इससे हम अपना और अन्य लोगों का जीवन बचा सकते हैं। अभियान के दौरान ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर नरेंद्र कुमार पाल, राजकुमार, दिनेश कुमार यादव, देवशरण शर्मा, उदयभान, सड़क सुरक्षा के ब्रांड एंबेसडर समेत बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना एक नजर में...

भारत में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा छात्रों का प्रथम कर्तव्य उनके अध्ययन की अवधि को केवल बौद्धिक ज्ञान तक ही सीमित न रखकर स्वयं को ऐसे व्यक्तियों की सेवा में समर्पित करना है जिन्हें राष्ट्र की वस्तुओं और सेवाओं की आवश्यकता हो और उन्हें हमारे देश की आवश्यक वस्तुएं प्रदान की जा सके, जो कि समाज के लिए अतिआवश्यक है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् डॉ. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में स्वैच्छिक आधार पर शैक्षिक संस्थाओं में **''राष्ट्रीय सेवा''** आरम्भ करने की सिफारिश की गयी थी। सन् 1959 में शिक्षा मंत्री के सम्मेलन के समक्ष योजना का एक मसौदा रखा गया। इस दिशा में सटीक सुझाव देने के लिए **28 अगस्त, 1959** को **डॉ. सी. डी. देशमुख** की अध्यक्षता में एक **''राष्ट्रीय सेवा समिति''** का गठन किया गया।

सन् 1960 में भारत सरकार की पहलता पर प्रो. के.जी. सैय्यदेन ने विश्व के कई देशों में छात्रों द्वारा क्रियान्वित **''राष्ट्रीय सेवा''** का अध्ययन किया और कई सिफारिशों के साथ सरकार को युवाओं के लिए **''राष्ट्रीय सेवा''** शीर्षक के तहत अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. डी.एस. कोठारी (1964–66) की अध्यक्षता में शिक्षा आयोग ने यह सिफारिश दी की शिक्षा के सभी स्तरों पर छात्रों को सामाजिक सेवा के किसी रूप से जोड़ा जाना चाहिए। इस पर अप्रैल, 1967 में राज्य शिक्षा मंत्री द्वारा उनके सम्मेलन के दौरान विचार किया गया की **''राष्ट्रीय सेवा योजना''** (एन.एस.एस.) नामक एक नया कार्यक्रम प्रदान किया जा सकता है। सितम्बर, 1969 में सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति के सम्मेलन में इस सिफारिश का स्वागत किया गया।

मई. 1969 में शिक्षा मंत्रालय तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थाओं के छात्र प्रतिनिधियों के सम्मेलन में घोषणा की गई कि **''राष्ट्रीय सेवा योजना''** राष्ट्रीय एकता के लिए सशक्त माध्यम हो सकती है। 24 सितम्बर, 1969 को तत्कालीन शिक्षामंत्री डॉ. वी.के. आर.वी. राव ने सभी राज्यों को शामिल करते हुए 37 विश्वविद्यालयों में **''राष्ट्रीय सेवा योजना''** (एन.एस. एस.) कार्यक्रम आरंभ किया। जिसका प्रथम उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से उनके व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करना ही नही अपितु **'सेवा के माध्यम से शिक्षा देना'** ही राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य है।

आज राष्ट्रीय सेवा योजना विश्व भर में राष्ट्रीय विकास, सेवा, शांति, राष्ट्र निर्माण की दिशा में कार्य करने वाले छात्र समूह की सबसे बड़े रचनात्मक संगठन के रूप में हमारे सामने है। राष्ट्रीय सेवा योजना ने अपने गौरवशाली वर्षों में युवा जागरुकता, राष्ट्र निर्माण और विश्व शांति के लिए अनेकानेक कार्यक्रमों के साथ अपनी पहचान बनाई है। ऐसे महान संगठन में आपका स्वागत है।

आइए! हम सब मिलकर एक समृद्ध राष्ट्र, एक विकसित राष्ट्र, एक जागृत राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दें।

जय हिंद, जय भारत।

राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों को सृजनात्मक एवं रचनात्मक कार्यों के प्रति प्रेरित कर समाज सेवा का अवसर प्रदान कर उनके व्यक्तित्व को निखारने एवं भविष्य में उन्हें कर्त्तव्यनिष्ठ, संवेदनशील तथा उपयोगी नागरिक के रूप में सवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राष्ट्रीय सेवा योजना से प्राप्त प्रमाण–पत्र स्वयं सेवकों के अच्छे भविष्य के निर्माण में सहायक हैं। विद्यार्थी शासकीय तथा गैर शासकीय सेवाओं में इन प्रमाण–पत्रों का प्रयोग कर सकते हैं। उच्चतर कक्षाओं के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के समय राष्ट्रीय सेवा योजना प्रमाण–पत्र धारक छात्रों को अतिरिक्त बोनस अंक भी दिये जाते हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत दो प्रकार के कार्यक्रमों का संचालन होते हैं :–

1. सामान्य कार्यक्रम 2. विशेष शिविर कार्यक्रम

1.सामान्य कार्यक्रम :–

सामान्य कार्यक्रम के अन्तर्गत **'राष्ट्रीय सेवा योजना'** में पंजीकृत प्रत्येक विद्यार्थी को स्वयं सेवक के रूप में एक वर्ष में कम से कम 120 घंटे का समाज सेवा कार्य करना पड़ता है और दो वर्ष की अवधि में अर्थात् 240 घंटे का समाज सेवा कार्य पूरा करने पर उसे विश्वविद्यालय/ महाविद्यालय से प्रमाण पत्र दिया जाता है।

2. विशेष शिविर कार्यक्रमः–

राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रत्येक इकाई द्वारा वर्ष में एक दस दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर विश्वविद्यालय महाविद्यालय के निकट किसी ग्राम में लगाया जाता है। विशेष शिविर में शिविर अनुभव भी अपना एक विशेष महत्व रखता है। इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागी शिविर जीवन का अनुभव प्राप्त करते हैं तथा एक अच्छे नागरिक के कर्त्तव्य का पालन एवं समाज के लिए वे क्या सेवा कर सकते हैं इसका ज्ञान प्राप्त करते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना की विभिन्न इकाईयों द्वारा स्थानीय आवश्यकताओं स्त्रोतों और कुशल व्यक्तियों को देखते हुए विविध प्रकार के कार्यक्रम अभिग्रहित क्षेत्रों में लिए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थीगण अन्य क्षेत्रों में भी कार्य के लिए स्वतंत्र होंगे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित गतिविधियाँ होती हैं–

- शिक्षा एवं मनोरंजन इसके अन्तर्गत साक्षरता, स्कूली शिक्षा पाठशाला छोड़ने वाले बच्चों की शिक्षा बालगृहों में कार्यशाला प्रवेश कार्यक्रम सांस्कृतिक गतिविधियाँ ग्रामीण एवं देशी खेलकूद सामाजिक बुराईयों के उन्मूलन पर चर्चाएं एवं जागरूकता के कार्यक्रमों का आयोजन मुख्य है।
- आपातकाल के कार्यक्रम विद्यार्थियों को प्रमुख रूप से लोगों को उनकी असहायता पर काबू पाने योग्य बनाने के लिए उनके साथ मिलकर कार्य करने सम्बन्धी कार्यक्रमों पर जोर देना चाहिए। इसके अलावा प्राकृतिक विपदाओं जैसे– भूकम्प, बाढ, तूफान आदि के आने पर सहायता और पुन्रर्वास कार्यो में स्थानीय लोगों अधिकारियों संस्थाओं को सहयोग देना प्रमुख हैं।
- पर्यावरण संवर्धन एवं परिक्षण ऐतिहासिक स्मारकों पुरावशेषों व अन्य सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण एवं उनके प्रति चेतना पैदा करना पर्यावरण के प्रति समाज में चेतना जागृत करना वृक्षारोपण उनका बचाव और अनुरक्षण स्वच्छता के लिए सड़कों गलियों नालियों तालाबों पोखरों कुओं आदि की सफाई भूमि क्षरण की रोकथाम तथा भूमि सुधार गोबर गैस संयत्र सौर ऊर्जा के प्रयोग का प्रचार करना।
- स्वास्थ्य, परिवार, कल्याण और आहार पोषण कार्यक्रम, टीकाकरण, रक्तदान, स्वास्थ्य शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य की देखभाल जनसंख्या शिक्षा और परिवार कल्याण रोगियों अनाथों वृद्धों की सहायता स्वच्छ पेयजल के प्रदाय की व्यवस्था एकीकृत बाल विकास तथा पौष्टिक आहार कार्यक्रमों का संचालन करना।
- महिलाओं के स्तर सुधार के कार्यक्रम महिलाओं की शिक्षा तथा उन्हें अपने संवैधानिक और कानूनी अधिकारों के प्रति सचेत करना उनके सशक्तीकरण के उपाय सुझाना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने हेतु विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण आदि कार्यक्रम संचालित करना।
- उत्पादनोन्मुखी कार्यक्रम उन्नत कृषि के तरीकों की जानकारी कीट व खरपतवार नियंत्रण भूमि परिक्षण एवं उपजाऊपन की देखभाल कृषि यंत्रों की देखभाल सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण और उनके प्रोत्साहन के लिए फार्म पशु पालन कुक्कुट पालन पशु स्वास्थ्य के बारे में सहायता एवं मार्गदर्शन कृषि तकनीकों के प्रयोग के प्रति जागरूकता पैदा करना आदि।
- अन्य गतिविधियाँ जो स्थानीय आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं के आधार पर की जाएँ।

एनसीसी देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है। अकादमिक स्तर पर विद्यार्थियों को सैन्य प्रशिक्षण देकर राष्ट्र संकल्प की प्रेरणा देता है। एन.सी.सी. का लक्ष्य युवाओं में चरित्र निर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करना है। साथ ही सशक्त राष्ट्र के निर्माण में युवाओं में नेतृत्व गुणों का विकास करना है। राष्ट्रीय कैडेट कोर युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल एवं प्रेरित करने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर की यूनिट जुलाई 2023 में अनुशंसित हुई। कड़ी चयन प्रक्रिया में विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 102 यूपी बटालियन एनसीसी गोरखपुर के प्रथम सत्र में 36 कैडेट्स का चयन किया गया। कुशल संचालन के लिए ए.एन.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव को कैडेट्स के प्रशिक्षण एवं विविध गतिविधियों के संचालन का दायित्व प्रदान किया गया है जिनके कुशल मार्गदर्शन कैडेट्स सैन्य प्रशिक्षण का अभ्यास कर रहे हैं ।

कैडेट्स राष्ट्रीय कैडेट्स कोर के मूल संकल्प एकता और अनुशासन के साथ अखंड भारत के संकल्प को पूर्ण करने का सौभाग्य ग्रहण कर रहे है। राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। एनसीसी का अहम लक्ष्य शिक्षा के साथ युवाओं को सैन्य अनुशासन का अभ्यास कराके देश की रक्षार्थ प्रेरणा देना है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) भारतीय सैन्य कैडेट कोर है जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। यह एक स्वैच्छिक संस्था है जो पूरे भारत के स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से कैडेटों की भर्ती करती है। कैडेटों को परेड एवं छोटे हथियार चलाने का बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता है। अधिकारियों और कैडेटों को पाठ्यक्रम पूरा करने पर सक्रिय सैन्य सेवा में जाने की कोई बाध्यता नहीं होती है, किन्तु एनसीसी के क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियों के आधार पर उन्हें चयन के समय सामान्य अभ्यर्थियों की अपेक्षा वरीयता दी जाती है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर थल सेना, नौसेना और वायुसेना के सम्मिलन वाला एक त्रिसेवा संगठन है जो देश के युवाओं को संवार कर अनुशासित और देशभक्त नागरिकों में ढाल देता है। एनसीसी की उत्पत्ति को यूनिवर्सिटी कोर के साथ जोड़ा जा सकता है जिसकी स्थापना भारतीय रक्षा अधिनियम 1917 के तहत थल सेना में सैनिकों की कमी को पूरा करने के लिए की गई थी। 1920 में जब भारतीय प्रादेशिक अधिनियम पारित किया गया तो इस यूनिवर्सिटी कोर को यूनिवर्सिटी ट्रेनिंग कोर (UTC) में बदल दिया गया। इसका उद्देश्य यूटीसी की स्थिति सुधारना और इसे युवाओं के लिए अधिक आकर्षक बनाना था। यूटीसी अधिकारी और कैडेट सेना जैसी वर्दी पहनते थे। यह सशस्त्र सेनाओं के भारतीयकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। 1942 में यूटीसी का नाम बदलकर यूनिवर्सिटी ऑफिसर्स ट्रेनिंग कोर (UOTC) रखा गया।

एनसीसी भारत में नेशनल कैडेट कोर एक्ट, 1948 द्वारा गठित किया गया। इसकी स्थापना 15 जुलाई, 1948 को हुई। एनसीसी को यूओटीसी का उत्तराधिकारी माना जा सकता है जिसकी स्थापना ब्रिटिश सरकार द्वारा 1942 में की गई थी। स्वतंत्र भारत में युद्ध और शांति के समय युवाओं को सैन्य अकादमिक

प्रशिक्षण देकर राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित करना था। पंडित हृदयनाथ कुंजरू की अध्यक्षता में स्कूलों व कॉलेजों में राष्ट्रीय स्तर के एक कैडेट संगठन की स्थापना की सिफारिश की। 15 जुलाई, 1948 को राष्ट्रीय कैडेट कोर एक्ट गवर्नर जनरल द्वारा स्वीकार कर लिया गया और इसके साथ ही राष्ट्रीय कैडेट कोर अस्तित्व में आया।

पाकिस्तान के साथ 1965 और 1971 के युद्धों में एनसीसी कैडेट रक्षा की दूसरी पंक्ति में थे। उन्होंने आयुध निर्माणियों की मदद के लिए शिविर आयोजित किये, युद्धस्थल पर हथियार और गोला–बारूद पहुँचाए और शत्रु सेना के पैराट्रूपर्स को पकड़ने वाले गश्ती दलों की तरह कार्य किया। एनसीसी कैडेटों ने नागरिक सुरक्षा अधिकारियों के साथ कधे से कंधा मिलाकर कार्य किया और सक्रिय रूप से बचाव कार्य और यातायात नियंत्रण में भाग लिया। 1965 और 1971 के भारत.पाक युद्धों के पश्चात एनसीसी के पाठ्यक्रम में संशोधन किये गए। केवल रक्षा की द्वितीय पंक्ति होने के बजाय अब इसमें नेतृत्व के गुणों और अधिकारियों जैसे गुणों के विकास पर अधिक बल दिया जाने लगा।

कोर की शुरुआत वरिष्ठ वर्ग के 32.500 और कनिष्ठ वर्ग के 1,35,000 कैडेटों के साथ हुई थी। तब से यह बहुत तेजी से बढ़ी है और अधिकृत कैडेट संख्या अब 1420 लाख तक पहुँच चुकी है। हालांकि यह संख्या अपने आप में काफी महत्वपूर्ण है, फिर भी यह देश के भर्ती योग्य विद्यार्थियों की संख्या का लगभग केवल 3.5 प्रतिशत ही है। एनसीसी की 814 इकाइयों का जाल 4829 कॉलेजों और 12545 विद्यालयों द्वारा संपूर्ण भारत में फैला हुआ है।

एनसीसी को अंतर्सेवा छवि तब प्राप्त हुई जब 1950 में इसमें वायु स्कंध और 1952 में नौसेना स्कंध को भी जोड़ा गया। स्कूल के विद्यार्थियों (कनिष्ठ वर्ग) को प्राथमिक सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता था जबकि कॉलेज के विद्यार्थियों (वरिष्ठ वर्ग) को सशस्त्र सेना के संभावित अधिकारी के रूप में प्रशिक्षित किया जाता था। इस प्रयोजन हेतु आर्मर्ड कोर, आर्टिलरी, इजीनियर्स, सिग्नल्स, इफैंटरी और मेडिकल कोर की इकाइयों की स्थापना एनसीसी में की गई।

1960 तक, संपूर्ण भारत के स्कूल–कॉलेजों में एनसीसी की इकाइयों की माँग बहुत बढ़ गई थी। इस बढ़ती हुई माँग को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय कैडेट कोर राइफल्स (NCCR) की स्थापना की गई। 1962 के चीन के आक्रमण के बाद संपूर्ण देश में एनसीसी को अनिवार्य बना देने की माँग उठी। फलस्वरूप 1963 में कॉलेज के प्रथम तीन वर्षों में 16 से 25 वर्ष की आयु के सभी सक्षम शरीर वाले युवाओं के लिए एनसीसी प्रशिक्षण अनिवार्य कर दिया गया।

1986 में भारत सरकार ने थपन समिति को एनसीसी के लक्ष्यों और उद्देश्यों के संदर्भ में इसके कामकाज का पुर्नमूल्यांकन करने के आदेश दिये। लेफ्टिनेंटे जनरल (रिटायर्ड) एम. एल. थपन (PVC) की अध्यक्षता वाली इस समिति ने अपनी रिपोर्ट जून, 1988 में पेश की। थपन समिति के सुझावों के अनुरूप सरकार ने 1992 में एनसीसी के लक्ष्यों को संशोधित रूप में अनुमोदित किया। जो निम्नवत है–

(i) देश के युवाओं में चरित्र, साहस, भाई–चारे, अनुशासन, नेतृत्व धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहसिक अभियानो, खेल भावना और निःस्वार्थ सेवा के आदर्शों एवं गुणों का विकास करना जिससे कि वे उपयोगी नागरिक बन सकें।

(ii) संगठित, प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं के एक मानव संसाधन का निर्माण करना जो कि सशस्त्र बलों के साथ.साथ जीवन के सभी क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान कर सके और हमेशा देश की सेवा के लिए तत्पर रहें।

रक्षा मंत्रालय द्वारा मार्च 2001 में अनुमोदित किये गए एनसीसी के लक्ष्य इस प्रकार है (1) देश के युवाओं के चरित्र भाई–चारे अनुशासन, नेतृत्व धर्म–निरपेक्षता के दृष्टिकोण साहसिक अभियानों में रुचि खेल भावना और निःस्वार्थ सेवा भाव को विकसित करना।

(iii) संगठित प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं के एक मानव संसाधन का निर्माण करना जो जीवन के सभी क्षेत्र नेतृत्व प्रदान कर सके और देशसेवा के लिए तत्पर रहें।

(iv)सशस्त्र बलों में अपना कैरियर शुरू करने के लिए युवाओं को प्रेरित करने के से तैयार करना।

एनसीसी का आदर्श वाक्य (Motto)

एकता और अनुशासन (Unity and Discipline)

महानिदेशक के चार आधारभूत सिद्धांत :

1. मुस्कान के साथ आज्ञापालन करो
2. समयनिष्ठ रहो
3. निःसंकोच कठिन परिश्रम करो
4. बहाने मत बनाओ और झूठ मत बोलो

एनसीसी के वर्तमान लक्ष्य :

1. देश के युवाओं के चरित्र, भाई–चारे, अनुशासन, नेतृत्व, धर्म–निरपेक्षता के दृष्टिकोण, साहसिक अभियान में रूचि खेल भावना और निःस्वार्थ सेवा भाव को विकसित करना।
2. संगठित प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं के एक मानव संसाधन का निर्माण करना जो जीवन के सभी क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान कर सके और हमेशा देश सेवा के लिए समर्पित रहें।

शपथ : ''मैं सत्यनिष्ठा से लेता/लेती हूँ कि पूरी सच्चाई और श्रद्धा से अपनी मातृभूमि की सेवा करूँगा/करूँगी और एनसीसी के सभी नियमों और अधिनियमों का पालन करूगाँ/करूँगी। इसके अलावा, अपने कमांडिंग ऑफिसर के आदेश और नियंत्रण के अनुसार प्रत्येक परेड और कैम्प में पूरी शक्ति के साथ हिस्सा लूंगा/लूंगी।''

प्रतिज्ञा : हम राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट बड़े सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करते हैं कि हमेशा भारत की एकता को बनाए रखेंगे। हम संकल्प करते हैं कि हम भारत के अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। हम अपने साथी जीवों के हित में निःस्वार्थ भाव से सामुदायिक सेवा करेंगे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर उत्तर प्रदेश-२७३००७

प्रकाशक

राष्ट्रीय सेवा योजना

एवं

राष्ट्रीय कैडेट कोर

coordinator.nss@mgug.ac.in, mguniversitygkp@mgug.ac.in www.mgug.ac.in